दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 24.03.2026

प्रकाशनार्थ

शिक्षक – छात्र संबंध शिक्षा प्रक्रिया की आधारशिला : डॉ० अनुपम सिंह

आज दिनांक 24 मार्च 2026 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में अतिथि व्याख्यान एवं अकादमिक अंकेक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. अनुपम सिंह सहायक आचार्य, शिक्षा संकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **ने "वर्तमान परिदृश्य में शिक्षक–छात्र संबंध"** विषय पर व्याख्यान दिया, जो आज के बदलते शैक्षिक वातावरण में अत्यंत प्रासंगिक है।

अपने व्याख्यान में आपने बताया कि भारतीय शिक्षा प्रणाली वैदिक काल से लेकर वर्तमान समय तक परिवर्तनशील रही है, समय के अनुसार परिवर्तन आवश्यक है, किंतु एक चीज जो कभी नहीं बदली, वह है शिक्षक की नैतिकता। एक शिक्षक की नैतिक जिम्मेदारी समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। अपने वक्तव्य में आपने बताया कि हमें जीवन में वह नहीं मिलता जो हम चाहते हैं, बल्कि वह मिलता है जो हमारे लिए उपयुक्त होता है। आपने प्रशिक्षुओं को ईमानदारी और परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही यह भी कहा कि प्रशिक्षुओं को केवल गोरखपुर या उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें पूरे भारत के विकास में अपनी भूमिका निभाने का प्रयास करना चाहिए। अपने वक्तव्य के माध्यम से प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि प्रशिक्षु अधिक से अधिक अध्ययन करें, नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम करें और अपने समय का सदुपयोग करें। आज के युग में जहां संसाधन अधिक हैं, वहीं चुनौतियाँ भी बढ़ गई हैं, इसलिए संतुलन बनाकर आगे बढ़ना आवश्यक है।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में अतिथि वक्ता के द्वारा विभाग का अकादमिक अंकेक्षण किया गया, जिसके अन्तर्गत उन्होंने बी.एड. के प्रशिक्षणार्थियों से प्रतिपुष्टि लिया। अंकेक्षण के इसी क्रम में विभाग में चल रहे पंच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों एवं भौतिक संसाधनों का निरीक्षण किया तथा महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात अंशिका, नेहा, हेमा एवं सन्नू द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया । तत्पश्चात अतिथि वक्ता का स्वागत प्रशिक्षु सुधीर कुमार ने माल्यार्पण एवं आकांक्षा एवं हर्षिता ने कुबेर का पौधा भेट कर किया। इसके उपरांत आकांक्षा, पूजा, हर्षिता एवं हेमा द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया । तत्पश्चात मुख्य अतिथि का परिचय विभाग के प्राध्यापक श्री गोपाल सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन आदित्य पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन प्रशिक्षु अंशिका पांडेय द्वारा किया गया ।

इस अवसर पर विभाग की प्रभारी प्रो०(डॉ.) शुभ्रा श्रीवास्तव, वरिष्ट प्राध्यापक प्रो०(डॉ.) अरुण कुमार तिवारी, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री प्रदीप कुमार यादव तथा विभाग के परिचर श्री अमरनाथ चौधरी सहित बी.एड. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षु उपस्थित रहे ।

(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क